मालवी कथा (सौंधवाड़ी)

कई दूँगा

एक गाम में एक वाण्यो (ब्राह्मण) रेतो थो। ऊ घणो गरीब थो। वण की गरीबी के कारण गाम का लोग वण ती "राम-राम" नी करता। टेम पलट्यो। वाण्या ने मेहनत लगन ने बुद्धि ती पईसो कमायो। धीरे-धीरे ऊ सेठ वई ग्यो। अबे गाम का हगरा लोग वणने "राम-राम" करवा लागा। वणी सेठ ती जो भी "राम-राम" या "नमस्कार" करतो ऊ केतो, "कई दूँगा।" (कह दूँगा)

लोग केता, "सेठ बा राम-राम!"

सेठ केतो, "कई दूँगा।"

एक दन एक आदमी ने पुच्छयो, "थाँक ती जो राम-राम करे, थें कओ कई दूँगा। अणको कई मतलब?" (आप को जो राम-राम कहते हैं, आप कहते हैं कह दूँगा। इसका क्या मतलब है?)

सेठ ने कयो, "अणी गाम में मैं जनम ती रई रयो हूँ। गरीबी के कारण कोई राम-राम नी करती। अबे पया (पैसा) अई गया तो सब राम-राम करे। मूँ जाणो की यो म्हारो सम्मान कोनी (नहीं) पया को सम्मान है। अणी वाते हाज का जई ने (इसीलिए शाम को जाकर) तिजोरी खोली ने पया ती कऊँगा की अणा-अणा लोगा ने राम-राम कयो।"

-बन्शीलाल परमार

साइना नेहवाल

अन्तर्राष्ट्रीय बैडमिंटन एसोसिएशन ने साइना को 2008 की दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी घोषित किया है।

एक चींटी अपने वज़न का बीस गुना तक वज़न उठाकर चल सकती है।

फोटो: शमशेर अहमद खान